SHODH SAMAGAM

ISSN : 2581-6918 (Online), 2582-1792 (PRINT)

बिलासपुर जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की स्वास्थ्य क्रिया एवं स्वास्थ्य जागरूकता का अध्ययन

सुनील कुमार सेन, (Ph.D.), शिक्षा संकाय,
श्रद्धा सिंह, शिक्षा संकाय,
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत

ORIGINAL ARTICLE

Corresponding Authors
सुनील कुमार सेन, (Ph.D.), शिक्षा संकाय,
श्रद्धा सिंह, शिक्षा संकाय,
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत

shodhsamagam1@gmail.com

Received on : 27/07/2022
Revised on : -----
Accepted on : 03/08/2022
Plagiarism : 00% on 27/07/2022

Plagiarism Checker X Originality Report
Similarity Found: 0%

Date: Wednesday, July 27, 2022
Statistics: 4 words Plagiarized / 1511 Total words
Remarks: No Plagiarism Detected - Your Document is Healthy.

बिलासपुर जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की स्वास्थ्य क्रिया एवं स्वास्थ्य जागरूकता का अध्ययन डॉ.सुनील कुमार सेन सहायक प्राध्यापक, शिक्षा विभाग,गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर(छ.ग)495009 डवइपसम छव– 9926198776 म्उंपस.पक –ेनदपस.कमेवतपलं/हउंपस.बवउ श्रद्धा सिंह सहायक प्राध्यापक, शिक्षा विभाग,गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर(छ.ग)495009 डवइपसम छव– 9340500205 म्उंपस.पक –ेतंककीपदही45/हउंपस.बवउ सारांश– प्रस्तुत शोध पत्र उच्च माध्यमिक स्तर पर पढ़ने वाले विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं क्रिया का अध्ययन से सम्बंधित है शोध अध्ययन हेतू न्यादर्श के रूप में110 विद्यार्थी चयनित है। जिसमे 55 बालक और 55 बालिकाएं है प्रदत्त आंकड़ों के संग्रहण

हेतू स्वनिर्मित 'स्वास्थ्य मापनी' मापन उपकरण का प्रयोग अध्ययन में किया गया है शोध परिणाम के आधार पर यह कहा जा सकता है कि उच्च माध्यमिक स्तर के स्कूलों में अध्यनरत छात्र छात्राओं के स्वास्थ्य जागरूकता, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य क्रियाओं तथा खानपान में अंतर नहीं होता है।उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में अध्ययन

शोध सार

प्रस्तुत शोध पत्र उच्च माध्यमिक स्तर पर पढ़ने वाले विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं क्रिया का अध्ययन से सम्बंधित है। शोध अध्ययन हेतू न्यादर्श के रूप में 110 विद्यार्थी चयनित है, जिसमे 55 बालक और 55 बालिकाएं है। प्रदत्त आंकड़ों के संग्रहण हेतू स्वनिर्मित 'स्वास्थ्य मापनी' मापन उपकरण का प्रयोग अध्ययन में किया गया है। शोध परिणाम के आधार पर यह कहा जा सकता है कि उच्च माध्यमिक स्तर के स्कूलों में अध्यनरत छात्र छात्राओं के स्वास्थ्य जागरूकता, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य क्रियाओं तथा खानपान में अंतर नहीं होता है। उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं की क्रिया, खानपान, जागरूकता, स्वच्छता, सम्बन्धी आयामों की तुलना नहीं की जा सकती है।

मुख्य शब्द

स्वास्थ्य क्रिया, स्वास्थ्य जागरूकता, शैक्षणिक उत्कृष्ठता, उच्च माध्यमिक.

प्रस्तावना

शिक्षा व्यक्ति के सम्पूर्ण विकास एवं सभ्यता को सुरक्षित रखने का प्रमुख आधार है। शिक्षा व्यक्ति के विचारात्मक शैली को उचित स्वरुप प्रदान करता है, व्यक्ति को कुशल बनाता है। शिक्षा प्रत्येक क्षण एक नयी विद्वता प्रदान करती है, शिक्षा बालकों के शारीरिक,मानसिक व भावात्मक क्षमताओं का समन्वयात्मक संयोजन करने में सहायक है जिससे बालक समाज की प्रगति में सराहनीय योगदान दे सकें। शिक्षा समय–समय पर होने वाले सामाजिक परिवर्तनों पर निर्भर करता है। समाज का कल्याण तभी हो सकता है जब समाज की आवश्यकता अनुसार ही शिक्षा के उद्देश्य निर्धारित किये जाए। (मालवीय,2012)

शिक्षा उच्चतम विचारों से परिपूर्ण तथा स्वस्थ व्यक्ति का निर्माण करता है, जो वर्तमान समय में शिक्षा की दशा और दिशा शैक्षिक जगत की एक चिंता जनक तस्वीर प्रस्तुत करती हैं। शैक्षणिक संस्थाओं एवं विद्यालयों में अध्ययन करने वाले शिक्षार्थियों की शारीरिक ऊर्जा, प्रसन्नता में निरंतर गिरावट हो रही है। शैक्षणिक संस्थाओं की घटती जा रही शैक्षणिक उत्कृष्ठता, वर्तमान शैक्षणिक पाठ्यक्रमो में नये सिरे से मूल्यांकन करने की मांग करती है। हमारी शिक्षा प्रणाली समाज में निरंतर हो रहे परिवर्तनों और आवश्यकताओ की मांग के अनुसार शिक्षक, इंजीनियर, चिकित्सक, एवं कर्मचारियों को तैयार कर रही है, परन्तु उनकी उद्यमशीलता और कार्य क्षेत्र की प्रतिबद्धता को लेकर समाज में प्रश्न उठाये जा रहे हैं। आज सबसे बड़ी चुनौती प्रत्येक व्यक्तित्व संपन्न नागरिको के निर्माण की हमारे शिक्षा जगत के समक्ष हैं। (हरिंद्र 2015) शिक्षा के तीनो घटकों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान शिक्षक का है और शिक्षक अपने प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान और कौशल के द्वारा शिक्षण कार्य करता है। वास्तव में शिक्षण एक मानसिक प्रक्रिया है और यह चेतना के सूक्ष्म स्तर पर घटित होती है, इसलिए समस्त समस्याओं का कारण और निवारण व्यक्ति के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य पर ही संभव है, इसलिए शोधकर्ता ने अपने शोधकार्य के लिए इस क्षेत्र का चुनाव किया।

शोध प्रश्न

1. क्या उच्च माध्यमिक विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थी अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक है?
2. क्या उच्च माध्यमिक स्तर के विभिन्न विद्यालय में पढने वाले विद्यार्थियों को स्वास्थ्य से सम्बंधित क्रियायें करायी जाती है?

समस्या कथन

उच्च माध्यमिक स्तर पर पढने वाले विद्यार्थियों के स्वास्थ्य जागरूकता एवं क्रियाओं का अध्ययन।

उद्देश्य

1. उच्च माध्यमिक स्तर पर पढ़ने वाले विद्यार्थियों के स्वास्थ्य जागरूकता एवं स्वच्छता का अध्ययन करना।
2. उच्च माध्यमिक स्तर पर पढ़ने वाले विद्यार्थियों की स्वास्थ्य सम्बन्धी क्रियाओं एवं खानपान का अध्ययन करना।

परिकल्पना

1. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालय में अध्ययन करने वाले बालक बालिकाओं के स्वास्थ्य सम्बन्धी जागरूकता एवं स्वच्छता में अंतर होता है।
2. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालय में अध्ययनरत छात्र छात्राओं के स्वास्थ्य सम्बन्धी क्रियाओं एवं खानपान में अंतर होता है।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधकर्ता द्वारा सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या

प्रस्तुत शोध अध्ययन में जनसंख्या के अंतर्गत बिल्हा ब्लाक के अंतर्गत सेंदरी क्लस्टर के अंतर्गत आने वाले कक्षा 11 वी में सरकारी एवं निजी विद्यालय में पढने वाले 42 विद्यालयों को ही जनसँख्या के रूप में माना गया है जिसमे वर्तमान सत्र में लगभग 2367 विद्यार्थी पढ़ रहे है।

न्यायदर्श

प्रस्तुत शोध अध्ययन में सोद्देश्य न्यायदर्श विधि का प्रयोग करते हुये 110 विद्यार्थियों का चयन न्यायदर्श के रूप में किया गया है जिसमे 55 बालक 55 बालिकायें है।

उद्देश्य 1

उच्च माध्यमिक स्तर पर पढ़ने वाले विद्यार्थियों के स्वास्थ्य जागरूकता एवं स्वच्छता का अध्ययन करना।

परिकल्पना 1

उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालय में पढ़ने वाले बालक बालिकाओं के स्वास्थ्य सम्बन्धी जागरूकता एवं स्वच्छता में अंतर होता है।

सारणी क्रमांक 1: छात्र–छात्राओ का जागरूकता सम्बन्धी तालिका

	बालक	**बालिका**	**योग**
201 **से उपर**	A 3	B 2	05
201 **के बराबर या उससे नीचे**	C 3	D 4	07
योग	6	6	12
मध्यांक का मान	0.342	df =3.841	

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

उपरोक्त सारणी क्रमांक 1 के अनुसार उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र छात्राओं का जागरूकता सम्बन्धी अध्ययन करने के लिए मध्यांक परीक्षण का प्रयोग किया गया जिसमे मध्यांक परीक्षण का मान 0.342 प्राप्त हुआ जो कि df 1 के लिए .05 स्तर पर सारणी मान 3.841 से कम है। अतः स्वास्थ्य सम्बन्धी जागरूकता के लिए छात्र छात्राओं में कोई सार्थक अंतर नहीं है इसलिए शोधकर्ता द्वारा बनाया गया पूर्वानुमान अस्वीकृत होता है। अर्थात् कहा जा सकता है कि उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालय में अध्यनरत विद्यार्थियों के स्वास्थ्य सम्बन्धी जागरूकता में अंतर नहीं होता है।

सारणी क्रमांक 2: विद्यार्थियों का स्वच्छता सम्बन्धी तालिका

स्वच्छता	**बालक**	**बालिका**	**योग**
170 **से उपर**	A 3	B 2	05
170 **के बराबर या उससे नीचे**	C 3	D 4	07
योग	6	6	12
मध्यांक का मान	0.342	df =3.841	

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

उपरोक्त सारणी क्रमांक 2 के अनुसार उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र–छात्राओं का स्वच्छता सम्बन्धी अध्ययन करने के लिए मध्यांक परिक्षण का प्रयोग किया गया जिसमे मध्यांक परीक्षण का मान 0.342 प्राप्त हुआ जो कि df 1 के लिए .05 स्तर पर सारणी मान 3.841 से कम है। अतः स्वास्थ्य सम्बन्धी स्वच्छता के लिए छात्र–छात्राओं में कोई सार्थक अंतर नहीं है इसलिए शोधकर्ता द्वारा बनाया गया पूर्वानुमान अस्वीकृत होता है। अर्थात् कहा जा सकता है कि उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालय में अध्यनरत छात्र छात्राओं के स्वास्थ्य सम्बन्धी स्वच्छता में अंतर नही होता है।

द्वितीय उद्देश्य की प्राप्ति के लिए प्रदत्तो का विश्लेषण

उद्देश्य 2

उच्च माध्यमिक स्तर पर पढ़ने वाले विद्यार्थियों की स्वास्थ्य सम्बन्धी क्रियाओं एवं खानपान का अध्ययन करना।

परिकल्पना 2

उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालय में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं के स्वास्थ्य सम्बन्धी क्रियाओं एवं खानपान में अंतर होता है।

सारणी क्रमांक 3: बालक–बालिकाओं का क्रिया सम्बन्धी तालिका

क्रिया	**बालक**	**बालिका**	**योग**
166 **से उपर**	A 2	B 3	05
166 **के बराबर या नीचे**	C 4	D 3	07
योग	6	6	12
मध्यांक का मान	0.342	df =3.841	

(स्त्रोत: प्राथमिक समंक)

उपरोक्त सारणी क्रमांक 3 के अनुसार उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र–छात्राओं का क्रिया सम्बन्धी अध्ययन करने के लिए मध्यांक परिक्षण का प्रयोग किया गया जिसमे मध्यांक परीक्षण का मान 0.342 प्राप्त हुआ जो कि df 1 के लिए .05 स्तर पर सारणी मान 3.841 से कम है। अतः क्रिया सम्बन्धी स्वच्छता के लिए छात्र–छात्राओं में कोई सार्थक अंतर नहीं है इसलिए शोधकर्ता द्वारा बनाया गया पूर्वानुमान अस्वीकृत होता है, अर्थात् कहा जा सकता है कि उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के स्वास्थ्य सम्बन्धी क्रियाओं में अंतर नहीं होता है।

सारणी क्रमांक 4: छात्र–छात्राओं के खानपान सम्बन्धी तालिका

खानपान	**बालक**	**बालिका**	**योग**
159 **से उपर**	A 2	B 4	06
159 **के बराबर या उससे नीचे**	C 4	D 2	06
योग	6	6	12
मध्यांक का मान	1.333	df =3.841	

(स्त्रोत: प्राथमिक समंक)

उपरोक्त सारणी क्रमांक 4के अनुसार उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र–छात्राओं का खानपान सम्बन्धी अध्ययन करने के लिए मध्यांक परिक्षण का प्रयोग किया गया जिसमे मध्यांक परीक्षण का मान 1.333 प्राप्त हुआ जो कि df 1 के लिए .05 स्तर पर सारणी मान 3.841 से कम है। अतः खानपान सम्बन्धी स्वच्छता के लिए छात्र–छात्राओं में कोई सार्थक अंतर नहीं है इसलिए शोधकर्ता द्वारा बनाया गया पूर्वानुमान अस्वीकृत होता है, अर्थात् कहा जा सकता है कि उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालय में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं के स्वास्थ्य सम्बन्धी खानपान में अंतर नही होता है।

निष्कर्ष

- उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालय में अध्ययन करने वाले छात्र–छात्राओं के स्वास्थ्य सम्बन्धी जागरूकता एवं स्वच्छता में अंतर नही होता है।
- उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र–छात्राओं के स्वास्थ्य क्रियाओं एवं खानपान में अंतर नही होता है।

- उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालय में अध्ययनरत बालक–बालिकाओं के क्रिया, खानपान, जागरूकता एवं स्वच्छता सम्बन्धी विभिन्न आयामों की तुलना नहीं किया जा सकता।

शोध के शैक्षिक महत्त्व

शोधकर्ता द्वारा प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर शैक्षिक महत्व निम्नलिखित बिन्दुओं पर समझाया जा सकता है:

1. उपर्युक्त अध्ययन के आधार पर भविष्य में अनुसन्धान करने में सुविधा मिलेगी।
2. किसी भी निष्कर्ष की प्रति में सुगमता मिलेगी।
3. उच्च माध्यमिक स्तर में स्वास्थ्य की प्रक्रिया हेतु नियम बनाने में सहायक होगी।

सन्दर्भ सूची

1. अग्रवाल जे.सी. (2010) *शैक्षिक तकनीकी,* अग्रवाल पब्लिकेशन, संजय प्लस, आगरा –2।
2. कपिल एच.के. (1989). *अनुसन्धान की विधियाँ,* हरप्रसाद भार्गव, आगरा।
3. कौल, लोकेश. (1998). *शैक्षिक अनुसंधानकी कार्य प्रणाली,* विकास पब्लिशिंग हॉउस प्रा.लि.।
4. गर्ग.ओ.पी. (2007) *आधुनिक शैक्षिक तकीनीकी,* आविष्कार पब्लिशर्स, जयपुर।
5. पचौरी गिरीश (2006) *शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय सिद्धांत,* इंटरनेशनल पब्लिकेसन मेरठ।
6. गैरीट एच.ई. (2005) *शिक्षा मनोविज्ञान में सांख्यिकी,* नई दिल्ली, कल्यानी पब्लिकेशन।
7. सिंह एस.के. (2017). *खेल साहित्य,* अंसारी रोड, दरियागंज नईदिल्ली।
8. सिंह श्याम नारायण (2016) *शारीरिक शिक्षा एवं विकास,* शारदा पब्लिकेशन इलाहाबाद।
9. श्रीवास्तव डी.एन. एवं वर्मा प्रीती (2008), *मनोवज्ञान और शिक्षा में सांख्यिकी,* आगरा पब्लिकेशन।
10. बोसन केन (1996) *फंडामेंटल टेकनिक,* सुभाष स्पोर्ट पटियाला।
11. टी एस (2002) *आफिसियेटिंग टेकनिक एंड फिल्ड,* भार्गव प्रेस, ग्वालियर।
12. व्यास सुशिल कुमार, *योग शिक्षा,* पृ 124।
13. राय पारसनाथ (2004) *अनुसंधान परिचय,* नवरंग आफसेट प्रिंटर्स, आगरा।
14. डा.डी.एन. श्रीवास्तव (2006) *मनोविज्ञान और शिक्षा, में सांख्यिकी,* विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।
15. अग्रवाल जे.सी. (1996) *उदीयमान समाज में शिक्षक और शिक्षा,* नई दिल्ली, विकास पब्लिकेशन हाउस प्राइवेट लिमिटेड।

****